

नई बोलेरो जीप का कैलादेवी में पूजन करा गांव लौट रहे 9 जनों की सड़क हादसे में मौत

करौली मंडरायल रोड पर बोलेरो की टूक से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई

करौली, 1 जुलाई (नि.स.)। करौली मंडरायल सड़क मार्ग स्थित डूडापुरा गांव के पास टूक और बोलेरो जीप की भिड़ंत में 9 जनों की मौतु हो गई, तीन वर्षीय एक बालिका सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मंडरायल सड़क मार्ग स्थित डूडापुरा गांव की सड़क पर एक ट्रक और बोलेरो जीप की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि, भिड़ंत इतनी तेज थी कि, बोलेरो जीप पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और घायलों व शवों को कड़ी मशवकत करके निकाला गया।

बताया जा रहा है कि, तहसील मंडरायल के खिरकन गांव निवासी ये लोग गत दिनों खरीदो एक बोलेरो जीप का कैलादेवी गात के मंदिर में पूजन कराकर वापस गांव लौट रहे थे। इस दौरान ट्रक के साथ आमने-सामने की

‘मेरे पास सदन में माइक बंद कराने की पावर नहीं है’

नई दिल्ली, 1 जुलाई। लोकसभा को संबोधित करते हुए सदन के स्पीकर ओम बिड़ला ने माइक “म्यूट” करने सहित कई मुद्दों पर अपनी बात कही है। नीट परीक्षा मुद्दे पर संसद को संबोधित करते समय राहुल गांधी का माइक बंद होने के बाद विपक्षी सांसदों ने यह मुद्दा उठाया था। सत्र के छठे दिन की कार्यवाही के दौरान ओम बिरला ने टीम इंडिया को विजय कप जीतने के साथ-साथ लोकसभा में शपथ लेने के दौरान दूसरी टिप्पणियां करने के मुद्दे पर भी बात की।

ओम बिड़ला ने माइक बंद कर देने के सवाल पर कहा, “मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कई सांसदों ने माइक म्यूट करने के लिए अध्यक्ष को दोषी ठहराया है। अध्यक्ष सिर्फ उस व्यक्ति का नाम घोषित करते हैं जो बोलना चाहता है और माइक का नियंत्रण अध्यक्ष के पास नहीं होता।” विपक्ष से अध्यक्ष की भूमिका का सम्मान करने का आग्रह करते हुए उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सभी राजनीतिज्ञों के अध्यक्ष एक ही तरह से सदन चलाते हैं।

योगी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) हुये अपने विश्वसनयी अधिकारी मनोज कुमार सिंह को नया मुख्य सचिव नियुक्त कर दिया है तथा बताया जाता है कि उन्होंने इस विषय में पार्टी हाईकमान से परामर्श नहीं किया है। कल तक की स्थिति यह थी कि 1९84 के बैच के आई.ए.एस. अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, जिन्हें कथित रूप से गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन प्राप्त है, जिन्हें मुख्य सचिव के रूप में द्वाई साल का सेवा-विस्तार दिया गया था, को चौथी बार सेवा-विस्तार नहीं दिया गया। मिश्रा को चौथी बार सेवा-विस्तार न दिये जाने का राज्य के नौकरशाहों ने

- मु.मंत्री योगी ने इस कृत्‍य से मैसैज दिया कि, वे हाईकमान के घोषित-अघोषित निर्देशों के आगे नहीं झुकेंगे।**

स्वागत किया है क्योंकि उनके मुख्य सचिव पद पर बने रहने से 1985, 19८6 तथा 1९८7 के बैचों के बहुत से कनिष्ठ अधिकारियों की पदोन्नतियाँ प्रभावित हो रही थीं। लेकिन गौरतलब बात यह है कि मुख्यमंत्री ने कुल मिला कर अपनी पसंद के अधिकारी को मुख्य सचिव बना दिया। मनोज कुमार सिंह “टीम योगी” के एक हिस्से के रूप में देखे जाते हैं। वे योगी सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर बने चुके हैं।

इसके साथ ही सिंह को मुख्य सचिव नियुक्त करके योगी आदित्यनाथ ने यह साफ संकेत दे दिया है कि वे पार्टी हाईकमान के हुकम के समक्ष सिर झुकाने को तैयार नहीं हैं।

मेधा पाटकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पाटकर नर्मदा बचाओ आंदोलन से जुड़ी रही हैं। इससे पहले अदालत ने 7 जून को हुई सुनवाई में मेधा पाटकर को दोषी करार दिया था और सजा सुनाने के लिए 1 जुलाई को तारीख तय की थी। इससे पहले अदालत ने कहा था कि सक्सेना को ‘देशभक्त नहीं, बल्कि कायर कहने वाला एक हवाला लेनेदेन में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाने वाला पाटकर का बयान न केवल अपने आप में मानहानि के समान है, बल्कि इसे नकारात्मक धारणा को उकसाने के लिए गाढ़ा गया था।।

‘अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।’

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

भिड़ंत हो गई। मृतकों व घायलों को एंबुलेंस से करौली अस्पताल लाया गया, जहां 9 लोगों की मृत्यु हो गई तथा तीन लोगों को उपचार के लिए जयपुर रैफर कर दिया। हादसे में घायल तीन वर्षीय बालिका का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है।

सड़क हादसे की सूचना मिलते ही करौली जिला कलेक्टर नीलाय सक्सेना, जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपस्थाय गटनास्थल पर पहुंच गए। दोनों अधिकारियों ने करौली सामान्य चिकित्सारिय जाकर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.रामकेश मीणा को घायलों

- हादसे में एक तीन वर्षीय बालिका सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।**

- भिड़ंत इतनी तेज थी कि, बोलेरो जीप पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।**

का अच्छा उपचार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजवीर सिंह चौधरी, करौली उप जिला कलेक्टर पिंकी गुर्जर, करौली कोतवाली थाना अधिकारी सुनील के अलावा कई अन्य पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में तैनात रहे। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेश मीणा ने अस्पताल के नर्सिंग कर्मियों सहित समस्त स्टाफ को तुरंत सक्रिय किया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए रविंद्र पुत्र बृजमोहन, मुस्कान पुत्री विमल मीणा निवासी खिरकन को उपचार के लिए जयपुर के सवाई

मानसिंह अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। इसके अलावा एक महिला हेमा, निवासी मृतकच्चा मध्यप्रदेश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे भी जयपुर रैफर किया गया।

हादसे के दौरान बोलेरो में नारायण मीना नामक व्यक्ति की तीन वर्षीय बालिका सहित 1३ महिला- पुरुष सवार थे। हादसे में कटोरी पत्नी ब्रजमोहन, रंजीत उर्फ टिल्लू पुत्र बारेलाल, अतुल पुत्र सुरेश मीना, बिमला पत्नी सुरेश, पिस्ता पत्नी जगमोहन, हीराबाई पुत्री जगमोहन, गुड्डी पुत्री जगमोहन, भानू पुत्र जगमोहन व एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई जिसको पहचान सार्वजनिक नहीं हो पाई थी।

करौली जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर मृतकानों की जानकारी ली।

‘प्रत्येक शहीद अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा’

नई दिल्ली, 1 जुलाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अग्निवीर योजना को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार को घेरते नजर आए। उन्होंने अग्निवीरों के शहीद होने की स्थिति में उनके परिवजनों को मुआवजा नहीं दिए जाने का दावा किया। कांग्रेस लीडर ने अपने दावे को पुष्टि के लिए किसी शहीद के परिवार से हुईं बातचीत का हवाला दिया। हालांकि, उन्होंने संबंधित शहीद का नाम नहीं बताया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए सफाई दी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष गलतबयानी करके सदन को गुमराह कर रहे हैं। किसी भी अग्निवीर के शहीद होने की स्थिति में उसके परिवार को 1 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल को या तो इस दावे को स्त्यापित करना चाहिए या फिर इस गलतबयानी के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा नेता व केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राहुल को ये इस बयान पर पलटवार किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके कहा, अब हमारे विपक्ष के नेता कुछ ऐसे हैं। जो सभी के साथ भाईचारे का दावा करते हैं। मगर हिंदुओं पर हमला भी बोलते हैं।

बचना चाहिए।” उन्होंने भविष्य में इस तरह के किसी भी संवैधानिक उल्लंघन से बचने के लिए एक संसदीय समिति के गठन की भी घोषणा की।

उन्होंने सदन में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और कप्तान रोहित शर्मा को बारबाडोस में आयोजित आईसीसी पुरुष विज्व कप 2024 में उनको जीत के लिए बधाई भी दी। आज संसद सत्र के छठे दिन लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

गहलोत सरकार ने ई.आर.सी.पी. को ...

- इस कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, विधायक कुलदीप धनखड़, जसवंत यादव, हंसराज पटेल नेता मौजूद थे।**

कहा कि हमारी सरकार ने पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी अंचल के लोगों की बरसों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए यमुना जल समझौते के तहत केन्द्र सरकार और हरियाणा सरकार के साथ त्रिपक्षीय समझौता किया जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने इस संधि में कभी केन्द्र सरकार को एक निष्पंी तक नहीं लिखा।

शर्मा ने कहा कि विक्टनगर एक पौराणिक और ऐतिहासिक नगर है। इस क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि के लिए सरकार इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि संशोधित केपीसी परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) में कोटपतली-विक्टनगर क्षेत्र के तीन बड़े बांधों छितोली, जवानपुरा धाबाई एवं बुचारा बांध को जोड़ने से इस क्षेत्र की पानी की समस्या दूर होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह और स्व. अटल बिहारी वाजपेयी किसानों की चिंता करते थे। स्व. वाजपेयी ने किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी किसानों का दर्द और पीड़ा समझते हैं। उन्होंने किसान हित में किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, अतिरन क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने जैसे कई फैसले किए हैं।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, राजस्व राज्यमंत्री विजय सिंह, विधायक कुलदीप धनखड़, जसवंत सिंह यादव, हंसराज पटेल सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, उच्च अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान और आमजन उपस्थित थे।

राहुल गांधी व भाजपा के बीच नॉक-इंॉक...

- पर, राहुल ने नॉक-झॉक जारी रखते हुए कहा, लोकसभा में आप सबसे वरिष्ठ हैं।**

- पर, ओम बिड़ला ने दोहराया, मेरी संस्कृति में सिखाया है कि, व्यक्तित्गत जीवन में व सार्वजनिक जीवन में जो बड़े हैं उनके सम्मुख झुकना चाहिए. जो बराबर के हैं उनके साथ बराबरी का व्यवहार करना चाहिये।**

- पर, राहुल जोर देते रहे कि, सदन में स्पीकर से बढ़कर कोई नहीं होता, और सभी सदस्यों को उनके सामने झुकना चाहिये। मैं भी आपके सामने झुकता हूं, बल्कि समस्त विपक्ष झुकता है।**

आकर खुश हूँ और गौरवान्वित हूँ। हमारे लिए सत्ता से भी कुछ अधिक महत्वपूर्ण है तो वह है सचा।”

विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में राहुल ने भगवान शिव की तस्वीर दिखाई तो स्पीकर ओम बिड़ला ने उन्हें नियमों का हवाला देकर तख्ती दिखाये से रोका। इस पर राहुल गांधी ने

‘पिछली केन्द्र सरकार के 17 मंत्री हार गये’

नई दिल्ली, 1 जुलाई। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि असल में संविधान सब पर भारी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए कुछ भी नहीं था। इससे पहले उन्होंने 1 जुलाई से ही लागू हुए तीन नए

- मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि, 2024 का चुनाव अहंकार तोड़ने वाला रहा। हमको घमंडी बोलते थे, लेकिन इनका घमंड टूट गया।**

आपराधिक कानूनों पर भी सवाल उठाए थे।

खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि, मोदी ने कहा था कि एक अकेला सब पर भारी, असल में संविधान सब पर भारी है। उन्होंने कहा कि, 2024 का चुनाव अहंकार तोड़ने वाला रहा। हमको घमंडी बोलते थे, लेकिन इनका घमंड टूट गया।

आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. व भारतीय साक्ष्य अधिनियम अब गुजरे जमाने की बात हो गये

एक जुलाई से इन कानूनों का स्थान भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ली है

नई दिल्ली, 1 जुलाई। देश की न्यायिक व्यवस्था में आज से बड़ा बदलाव हो गया है। ब्रिटिश काल से चली आ रही आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अब बदल गए हैं। इनकी जगह अब भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ले ली है।

यही नहीं भारतीय न्याय संहिता के तहत देश का पहला केस दिल्ली में एक स्ट्रीट वेंडर के खिलाफ दर्ज किया गया है। विपक्षी दलों का कहना है कि इन कानूनों को सरकार जल्दबाजी में लाई है और संसद में पर्याप्त डिबेट भी नहीं हो सकी।

वहीं सरकार का कहना है कि अब दंड नहीं बल्कि लोगों को न्याय मिलेगा और हमने गुलामी के प्रतीकों को खत्म कर दिया है। इन नये कानूनों के लागू होने से देश में बहुत से परिवर्तन हो गये हैं।

कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर संभावित चर्चा उस समय होने लगी थी, जब एक चोक्किलगा संत ने खुलकर यह वकालत की थी कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाए। इस मांग के बाद भारी हलचल मच गई थी, यहां तक कि सिद्धारमैया के कुछ खास मंत्रियों ने भी प्रदेश में उप मुख्यमंत्रियों की संख्या बढ़ाने को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया था।

ज्ञातव्य है कि जिस समय सिद्धारमैया व शिव कुमार के बीच कर्नाटक कांग्रेस में बड़ी खींचतान चल रही थी, उस समय डी.के. शिव कुमार ने ही इस बात पर जोर दिया था कि केवल अकेले ही उप मुख्यमंत्री होंगे। उस समय पार्टी हाईकमान ने डी.के.एस. को इस बात से आश्चर्य किया गया था कि केवल वे ही उप मुख्यमंत्री होंगे। समझा जाता है कि कुछ उसके चलते ही पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने इस व्यवस्था को बनाए रखने का निर्णय लिया है।

सिद्धारमैया से जब मुख्यमंत्री बदलने की किसी पहल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, “कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और इसमें फैसले हाईकमान

राहुल गांधी की टिप्पणियों से आक्रोशित भाजपा ने सदन के भीतर व बाहर विरोध प्रदर्शन किया

अमित शाह ने सदन में विरोध जताने के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि, राहुल गांधी ने हिन्दुओं को हिंसावादी और झूठ बताया है, उन्हें माफी मांगनी चाहिये

नई दिल्ली, 1 जुलाई। भाजपा ने सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उस टिप्पणी को लेकर संसद के बाहर और भीतर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि “खुद को हिंदू कहने वाले हर समय हिंसा और नफरत फैलाने” में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, यह गंभीर मामला है कि राहुल गांधी पूरे हिंदू समाज को हिसक कह रहे हैं, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने कांग्रेस नेता से माफी मांगने की मांग की। हालांकि, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में कहा, “भाजपा, नरेंद्र मोदी जी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पूरा हिंदू समाज नहीं है। हम भी हिंदू हैं।” बाद में केंद्र सरकार के आधा दर्जन से ज्यादा मंत्रियों ने राहुल

गांधी पर उनकी टिप्पणी को लेकर पलटवार किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले सदन में राहुल पर हमला बोला फिर बाद में सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, “हिंदू हिंसा करते हैं, झूठ बोलते हैं और नफरत फैलाते हैं...., यह बोलकर राहुल गांधी ने करोड़ों हिंदुओं का अपमान किया है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।”

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा और उन पर अपने भाषण में झूठ और नफरत का मिश्रण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का पहले दिन का यह सक्से खराब प्रदर्शन था। गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह न तो

2024 के जनादेश (उनकी लगातार तीसरी हार) को समझ पाए हैं और न ही उनमें कोई विनम्रता है। नड्डा ने कहा कि गांधी ने देश के मेहनती किसानों और बहादुर सशस्त्र बलों से जुड़े मुद्दों समेत कई मामलों में ‘झूठ’ बोला। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अग्निवीर योजना पर उनके ‘झूठे दावे’ के लिए केंद्रीय मंत्रियों द्वारा तथ्यों के साथ खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा, “अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।”

नड्डा ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा ‘स्वस्थ बहस’ के बारे में होती है लेकिन विपक्ष अपनी ‘गलत विजयवाद’ में रचनात्मक नहीं बल्कि विनाशकारी बना हुआ है।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह हमारे किसानों में मुग्ध इलाज होगा।

अपनी ओछी राजनीति के लिए वह